

प्रियोदया ईव त्वय स्थैत्यैत्युपन्हि विषयम्

इकाई लीक्ट्रोफोर्स/लूपन/२५००

कामुक विषय

10 SEP 2001

ब्रह्मिका एवं
भारत उत्तरी ह
स्थान अवधि विभाग कार्यालय मौजूदा,
सिंहासन नगर
श्रीमान् गुरु
महि विजयी

ब्रह्मिका
भारतीय शास्त्र विद्यालय
नई विजयी

प्रियः प्रेसी प्रिया दत्त अग्रिम, उदयपुर की प्रैष्ठ शास्त्र शा के १००
महीय,

उपरोक्ता प्रियम् मे निर्वाचिताव इस विषय के बारे १०१२।। स्थान/लूपन/वा
एट ॥ १। किंतु १२०१०*७४ के द्वारा प्रेसी प्रिया श्रूतिका तीव्रत्वादी, उदयपुर और उदयपुर
के ६० प्रैष्ठ शास्त्र का प्रेसी प्रिया कल्प छोलिक स्थानिक छोले ऐतु अवधीन ग्रन्थ का
प्रयोग किया जाय यह । अतः उक्त प्रेसी प्रिया कैन्द्रिक विद्या, उदयपुर की पूर्व प्रैष्ठ श्रूत
६० के १०० करों द्वी शास्त्रपाल अठीय उदयपुर का श्रीपुत्र प्रदान वर्त्ते हैं । क्षे
स्थीपुत्र द्वा अर्थ पर श्रूतिका भी जाती है कि भारत शास्त्रादे अंत भारतीय सन्त विद्या,
नई विजयी १९८० सन् २००१-२००२ के लिये भाग उदयपुर छोले की अनुमति दूषाद
उत्तरी । इस प्रेसी प्रिया उक्त प्रचारि १०१२।। स्थान/लूपन/१/७२ एट ॥ १। विवरि १२०१०*७४
मे प्रिया अमृत अवधि विद्या रहेन्ती ।

प्रियोदया
भारत उत्तरी ह

प्रियोदया निम्न की वृक्षादि ईव शास्त्रादे श्रीपुत्रादी ऐतु प्रतिष्ठाते :

१. राजस्थान, राजस्थान विषयविद्यालय, अयुप
२. ईन, प्रेसी प्रिया विद्यालय, झज्जूल
३. उदयपुर प्रियोदया ईव त्वयावधि अवधीन श्रीपुत्र
४. प्रयोगाधारी, प्रेसी प्रिया कैन्द्रिक विद्यालय, उदयपुर, उदयपुर बाजार रोड उदयपुर
५. ईना विजयी

प्रियोदया उत्तरी ह